लामडिंग दर्पण

पूर्वोत्तर सीमा रेल, लामडिंग मंडल

वर्ष 3 अंक 10 अप्रैल-जून 2012

मंडल रेल प्रबंधक का संदेश

पूर्वोत्तर सीमा रेल का लामडिंग मंडल बी.जी. में 468.23 रूट किलोमीटर एवं एम.जी. में 614.99 रूट किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। एम.जी. की भौगोलिक स्थिति मंडल के लिए एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है। विशेषकर एम.जी. का हिल सेक्शन असम के बराक घाटी सहित त्रिपुरा, मिजोरम तथा मणिपुर राज्य के लिए परिवहन एवं यातायात का एक मात्र विकल्प है। कभी कानून-व्यवस्था तो कभी कुदरत की कहर और कभी उपद्रवियों द्वारा रेल कर्मियों पर हमला तो कभी भू-स्खलन आदि के परिणामस्वरूप यह सेक्शन समय-समय पर प्रभावित होता रहता है।

मानसून का समय मंडल के इस क्षेत्र को और भी चुनौतीपूर्ण बना देता है। जून महीने में मुसलाधार वर्षा के कारण सेक्शन में कम से कम 90 स्थलों पर भू-स्खलन, लाइन के नीचे की सतह के बह जाने, सुरंग तथा पुल के प्रभावित होने जैसी परिस्थितियों ने रेल यातायात को ठप्प कर दिया। अप एवं डाउन कछार एक्सप्रेस तथा अगरतला एक्सप्रेस गाड़ियों के सेक्शन में फंस जाने से रेल यात्रियों को जिला प्रशासन तथा रेस्टोरेशन स्पेशल रेल गाड़ियों की मदद से उनके गंतव्य के लिए रवाना करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा। चूंकि असम के डिमाहासाओ जिला तथा बराकघाटी सहित त्रिपुरा, मिजोरम तथा मणिपुर राज्य के सुदूर तथा दुर्गम क्षेत्र की जनता के लिए यह सेक्शन अति महत्वपूर्ण है, अतः इस सेक्शन में यातायात पुनर्बहाल करने के लिए मंडल कृत संकल्प है।

मंडल से तिमाही गृह पत्रिका 'लामडिंग दर्पण' का निरंतर प्रकाशन मंडल की गतिविधियों से अवगत करने का हमारा एक प्रयास मात्र है। उम्मीद है कि इससे रेलों में राजभाषा के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा मिलेगा और रेल कार्मिकों में राजभाषा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी तथा राजभाषा के प्रचार-प्रसार में सहयोगी सिद्ध होगी।

मंडल रेल प्रबंधक ■

अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी की कलम से.....

भारतीय रेल अपने नेटवर्क के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों के छोटे-बड़े स्टेशनों को आपस में जोड़ती हुई संपूर्ण देश को जोड़ने का काम करती है। रेलों पर भिन्न-भिन्न भाषा-भाषी के लोग एक साथ सफर करते हैं, जो अपने भावों और विचारों को हिंदी के माध्यम से आपस में प्रकट करते हैं। इस प्रकार राजभाषा हिंदी यात्रियों को आपस में जोड़ने वाले संपर्क सूत्र का काम करती है। अतः राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग कर जनता की सच्चे अर्थों में सेवा की जा सकती है। 'लामडिंग दर्पण' का प्रकाशन इस दिशा में हमारा एक प्रयास मात्र है। मंडल की त्रैमासिक गृह पत्रिका 'लामडिंग दर्पण' का दसवां अंक आपके सामने प्रस्तुत है। आशा एवं पूर्ण विश्वास है कि मंडल की यह पत्रिका अपने लक्ष्य की ओर हमेशा अग्रसर रहते हुए राजभाषा के कार्यान्वयन में नई दिशा प्रदान करने में सहायक होगी।

अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी ■

महाप्रबंधक द्वारा कामाख्या-लामडिंग सेक्शन का निरीक्षण

श्री आर. एस. विर्दी, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने 22 जून 2012 को मंडल के कामाख्या-लामडिंग सेक्शन का निरीक्षण किया। इस सेक्शन में विशेषकर उन्होंने जागीरोड, चापरमुख, होजाई, लंका एवं लामडिंग स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुख-सुविधाएं, संरक्षा से संबंधित विषयों, रेलपथ की गुणवत्ता, स्टेशन परिसरों, यातायात आदि के विविध मदों का निरीक्षण किया और रेलपथ में सुधार कार्य तथा इनके रख-रखाव के संबंध में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिए।

लामडिंग स्टेशन का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल, श्री आर. एस. विर्दी, मंडल रेल प्रबंधक, श्री राकेश गोयल, अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री सतीश कोठारी तथा मंडल के अधिकारीगण।

सेक्शन के स्टेशनों तथा रेलपथ के अनुरक्षण से प्रभावित होकर महाप्रबंधक महोदय ने मंडल को पचास हजार रूपए की राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया। लामडिंग स्टेशन के निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने मान्यता प्राप्त संगठित यूनियनों तथा अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों से विभिन्न मदों पर विचार-विमर्श किया।

सांस्कृतिक संध्या के अवसर पर मंडल के दयांग क्लब, लामडिंग में महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल, श्री आर. एस. विर्दी को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करते हुए श्री राकेश गोयल, मंडल रेल प्रबंधक।

महाप्रबंधक, पू. सी. रेल के सम्मान में 22 जून 2012 की शाम मंडल के दयांग क्लब, लामडिंग में एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा पूर्वोत्तर के कला-संस्कृति पर आधारित विभिन्न रंगा-रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। महाप्रबंधक महोदय ने कार्यक्रम की प्रशंसा की तथा दयांग क्लब, लामडिंग को पचास हजार रूपए की धन राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया।

'विज्ञान एवं जैव विविधता स्पेशल' प्रदर्शनी रेल गाड़ी

साइंस एक्सप्रेस जैव विविधता स्पेशल (5वां चरण) रेलगाड़ी भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण परियोजना है जो जैव विविधता पर आधारित वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास पर प्रकाश डालती है। इस गाड़ी ''साइंस एक्सप्रेस'' की शुरूआत अक्टूबर 2007 में की गयी थी। 16 वातवनुकूलित डिब्बों से सुसज्जित यह प्रदर्शनी गाड़ी 5वें चरण में 13 दिनों के पूर्वोत्तर दौरे पर यह प्रदर्शनी गाड़ी 21 जून 2012 को 04.00 बजे डिमापुर स्टेशन पर पहुँची तथा इसे 21 एवं 22 जून 2012 को डिमापुर स्टेशन में प्रदर्शनी के लिए रखा गया। यह प्रदर्शनी गाड़ी 23 से 26 जून 2012 तक कामाख्या स्टेशन पर प्रदर्शनी के लिए रखी गई। महाप्रबंधक पूर्वोत्तर सीमा रेल, श्री आर. एस. विर्दी के कर कमलों से साइंस एक्सप्रेस रेल गाड़ी को प्रदर्शनी के लिए शुभारंभ किया गया। स्थानीय जनता तथा गुवाहाटी क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों एवं कालेजों के बच्चों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों की विविध जानकारियाँ प्राप्त किए।

महाप्रबंधक पूर्वोत्तर सीमा रेल, श्री आर.एस. विर्दी 'विज्ञान एवं जैव विविधता स्पेशल' साइंस एक्सप्रेस रेलगाड़ी की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए।

57वाँ रेल सप्ताह समारोह

मंडल में 57वाँ रेल सप्ताह समारोह 12 अप्रैल 2012 को स्थानीय रेलवे इंस्टीच्यूट, लामडिंग में एक रंगा-रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वर्ष 2011-12 के दौरान मंडल में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के कुल 145 कार्मिकों को एकल नकद पुरस्कार एवं योग्यता प्रमाण-पत्र तथा 41 सामूहिक पुरस्कार एवं योग्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

57वाँ रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर पुरस्कार प्रदान करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री राकेश गोयल, साथ में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, श्री पी. के राव।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मंगलगान, सामुहिक नृत्य, कौवाली, गजल तथा भजन आदि प्रस्तुत किए गए। समारोह के दौरान प्रस्तुत उक्त सभी कार्यक्रम दर्शकों के लिए आकर्षक, मनभावन, प्रेरणादायक एवं मनोरंजन प्रधान थे।

57वाँ रेल सप्ताह समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रम का एक दृश्य

क्षेत्रीय दक्षता शील्ड - मंडल की उपलब्धियां

12 अप्रैल 2012 को क्षेत्रीय मुख्यालय मालीगॉव के रंगभवन में संपन्न 57वाँ क्षेत्रीय रेल सप्ताह समारोह में लामडिंग मंडल को विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए इंजीनियरी दक्षता शील्ड(संयुक्त), यात्री सुख-साधन दक्षता शील्ड(लामडिंग स्टेशन), बेस्टकेप्ट वैगन डिपो दक्षता शील्ड(न्यू गुवाहाटी), बेस्टकेप्ट जलापूर्ति दक्षता शील्ड, इंधन दक्षता शील्ड(डीजल शेड, लामडिंग) सहित बेस्ट मीटर गेज प्रचालन दक्षता(प्रमाण-पत्र) से भी नवादा गया।

विवेक एक्सप्रेस

14 जून 2012 को विवेक एक्सप्रेस प्रदर्शनी रेलगाड़ी का लामडिंग स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग श्री राकेश गोयल के कर कमलों से प्रदर्शनी के लिए शुभारंभ किया गया।

लामडिंग स्टेशन पर विवेक एक्सप्रेस प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री राकेश गोयल, अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री सतीश कोठारी तथा अन्य अधिकारीगण।

महान संत स्वामी विवेकानंद के जीवन शैली, चिंतन, दर्शन एवं उनके कृतियों पर आधारित विविध झाँकियों से सुसज्जित इस रेलगाड़ी को 15 जून 2012 तक लामडिंग स्टेशन पर प्रदर्शनी के लिए रखा गया। स्थानीय जनता तथा लामडिंग स्थित विभिन्न स्कूलों एवं कालेजों के बच्चों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर स्वामी जी के जीवन एवं कृतित्व के दर्शन किए।

लामडिंग मंडल का चुनौतीपूर्ण सेक्शन और मानसून

लामडिंग-बदरपुर का हिल सेक्शन हमेशा से मंडल के लिए एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र रहा है। कभी कानून-व्यवस्था की वजह से तो कभी कुदरत की कहर से, कभी उपद्रवियों द्वारा रेल कर्मियों पर हमला कर यातायात में बाधा पहुँचाया जाना, तो कभी भू-स्खलन आदि के परिणामस्वरूप रेलपथ प्रभावित होने से सेक्शन में गाड़ी संचलन ठप्प पड़ जाती है। बावजूद इसके मंडल के साहसी, कर्मठ व समर्पित रेलकर्मी अपने लगन, तत्परता तथा कठोर परिश्रम का परिचय देते हुए सेक्शन में रेल यातायात बहाल रखने में लगातार जुटे हुए हैं। मंडल के इस पहाड़ी सेक्शन में 03 जून 2012 को माइलांगडिसा-हारांगाजाओ स्टेशनों के मध्य 130/0-5 कि.मी. पर एक भयावह भू-स्खलन हुआ। 200 से अधिक माल डिब्बों के गिट्टी, पत्थर, मिट्टी आदि का प्रयोग कर तथा भूमि काटने वाली मशीन, श्रमिक एवं ट्रैकमेन की सहायता से 04 जून 2012 से 08 जून 2012 तक के लगातार कठिन परिश्रम के बाद 09 जून 2012 से सेक्शन में माल यातायात बहाल करने में कामयाबी हासिल हुई।

मुसलाधार वर्षा के कारण कि.मी. 130.1-4 पर पहाड़/चट्टान खिसकने का भयावह दृश्य

इसे मंडल का दुर्भाग्य ही कहा जा सकता है कि जैसे ही 09 जून को माल यातायात बहाल हुआ ठीक उसी दिन एक माल गाड़ी अपना नियंत्रण खोकर हारांगाजाओ स्टेशन के कैच साइडिंग में अवपथित हो गई जिसमें इंजन के साथ-साथ सामान से लदे 11 माल डिब्बे पटरी से उतर गए। इससे कैच साइडिंग में भारी नुकसान हुआ। 09 जून से 14 जून तक चौबीसों घंटे कड़ी मेहनत के उपरांत इसे ठीक कर लिया गया।

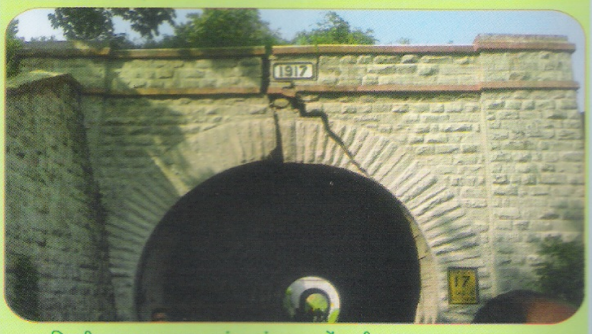

कि.मी. 97.00 पर सुरंग सं. 17 में पड़ी भयावह दरार का दृश्य

सुकून के चंद दिन ही बीते थे कि इतने में मानसून ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया। मानसून की मुसलाधार वर्षा के कारण 26 जून से 29 जून के मध्य इस सेक्शन में कम से कम 90 स्थलों पर भू-स्खलन तथा लाइन के नीचे की सतह के बह जाने से रेलपथ बुरी तरह प्रभावित हुआ।

सेक्शन में 30 स्थलों पर भारी नुकसान हुआ जिसमें 96/9-97.0 कि.मी. पर स्थित सुरंग सं 17 तथा 122.3-5 कि.मी. पर स्थित पुल सं 402 के क्षतिग्रस्त होने से रेलपथ सबसे अधिक प्रभावित हुआ।

लामडिंग मंडल के इतिहास में 26 जून से 29 जून तक के इन चार दिनों में हुई इतनी बड़ी क्षति के बराबर नुकसान शायद ही पहले कभी हुआ था।

पुल सं. 402 के समीप पहाड़/चट्टान खिसकने के कारण पुल का रेलपथ/गाडर ध्वस्त होने का भयावह दृश्य

इस बार की कुदरत की मार को कम से कम 2535 यात्रियों को भी झेलना पड़ा। इस सेक्शन में चलायी जाने वाली अप/डाउन अगरतला एक्सप्रेस, लोवर हाफलंग स्टेशन में, अप कछार एक्सप्रेस माइबंग स्टेशन में तथा डाउन कछार एक्सप्रेस गाड़ी को हरंगाजाओ स्टेशन में नियंत्रित किया गया। अपने घर और गंतव्य से दूर इस अंचल में फंसे लोगों के लिए रेल प्रशासन की ओर से समुचित खान-पान, साफ-सफाई आदि की व्यवस्था की गई। माइबंग स्टेशन में फंसे 500 यात्रियों को 26 जून 2012 को, हरंगाजाओ-डिटकछड़ा सेक्शन में रेल पथ के पुनरुद्धार के पश्चात हरंगाजाओं स्टेशन में फंसे 400 यात्रियों को 28 जून 2012 को तथा लोवर हाफलंग स्टेशन में फंसे 1635 यात्रियों में से राजकीय जिला प्रशासन की मदद से 1200 यात्रियों को उनके घर/गंतव्य के लिए रवाना किया गया। शेष यात्रियों को 30 जून 2012 को रवाना किया जा सका।

कि.मी. 67/7-8 पर मुसलाधार वर्षा के कारण रेलपथ खिसक कर नदी में चले जाने का भयावह दृश्य

असम के बराक घाटी सहित त्रिपुरा, मिजोरम तथा मणिपुर राज्य में यात्री-यातायात तथा माल परिवहन के लिए मंडल का हिल सेक्शन अति महत्वपूर्ण संपर्क सूत्र है। इस सेक्शन में यातायात पुनर्बहाल करने के लिए मंडल कृत संकल्प है। यातायात शीघ्र बहाल कर सेक्शन को दुरुस्त बनाए रखने के लिए जिर्णोद्धार का काम निरंतर चौबीसों घंटे जारी है।

इंडियन रेलवे मैगजीनः-''लामडिंग मंडल पर फोकस''

इंडियन रेलवे मैगजीन में ''लामडिंग मंडल पर फोकस'' अंक का प्रकाशन जून 2012 माह में किया गया। पत्रिका के इस अंक में मंडल रेल प्रबंधक, अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा शाखा अधिकारियों के मंडल से संबंधित विविध लेखों का समावेश है। पत्रिका का वितरण मंडल के सभी अधिकारियों में किया गया।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 121वीं जयंती

मंडल रेल प्रबंधक, कार्यालय परिसर में 16 अप्रैल 2012 को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 121वीं जयंती का समारोह पूर्वक पालन किया गया। मंडल के अधिकारियों/ कर्मचारियों सहित हमारे संगठित यूनियनों तथा अनुसूचित जाति एवं जन जाति संगठन के प्रतिनिधियों ने भी इस महान नेता को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री राकेश गोयल तथा मंडल के अधिकारी/कर्मचारीगण

रेलवे भर्ती सेल ग्रुप 'डी' की परीक्षाओं का आयोजन

मंडल के गुवाहाटी तथा लामडिंग के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर मई तथा जून 2012 माह के दौरान कुल छः तिथियों में रेलवे भर्ती सेल ग्रुप 'डी' की परीक्षाओं का सफल आयोजन किया गया।

माल परिवहन

बी.जी. लदान : अप्रैल-जून 2012 में औसत प्रतिदिन बी.जी. लदान 36.5 वैगन रहा।

एम.जी. लदान : पिछले वर्ष की समान अवधि की 44.8 एम.जी. वैगन औसत प्रतिदिन लदान की तुलना में जून 2012 तक औसत प्रतिदिन का लदान 48.2 एम.जी. वैगन रहा।

यानांतरण : पिछले वर्ष की समान अवधि की औसत प्रतिदिन 43.3 वैगन बी.जी. से एम.जी. में यानांतरण की तुलना में जून 2012 तक औसत प्रतिदिन यानांतरण 43.1 वैगन रहा।

हिल थ्रू पुट : पिछले वर्ष की समान अवधि की 106.0 और 108.0 वैगन की तुलना में जून 2012 तक अप एवं डाउन दिशाओं में हिल थ्रू पुट क्रमशः 112.5 और 112.9 वैगन रहा।

मंडल का अर्जन

यात्री अर्जनः गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में अप्रैल-जून 2012 के दौरान यात्रियों की संख्या में 462925 की वृद्धि होने के फलस्वरूप गत वर्ष के ₹ 88.74 करोड़ की तुलना में ₹ 92.32 करोड़ का अर्जन हुआ। इस प्रकार यात्री अर्जन में कुल ₹ 3.58 करोड़ की वृद्धि हुई है।

माल अर्जन : मंडल में कोयला, खनिज तेल आदि आय के प्रमुख स्रोत हैं। अप्रैल-जून 2012 के दौरान माल अर्जन से कुल ₹ 37.63 करोड़ की प्राप्ति हुई।

अन्य कोचिंग अर्जन : गत वर्ष की समान अवधि की ₹ 12.59 करोड़ की तुलना में अप्रैल-जून 2012 में ₹ 14.55 करोड़ का अर्जन हुआ। इस प्रकार अर्जन में कुल ₹ 1.96 करोड़ की वृद्धि हुई।

अन्य विविध अर्जन : अप्रैल-जून 2012 के दौरान इंजीनियरी के विविध प्राप्तियों सहित अन्य विविध प्राप्तियों से ₹ 4.37 करोड़ का अर्जन हुआ।

स्वास्थ्य जागरूकता

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 07 अप्रैल 2012 को पेंशनर एसोसिएशन कार्यालय में बहु उद्देश्यीय स्वास्थ्य जॉच शिविर का आयोजन किया गया। रेल कार्मिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक एवं सचेत बनाए रखने के लिए मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय सहित लामडिंग के विभिन्न वरिष्ठ अधीनस्थ कार्यालयों तथा डीजल शेड में ''वेलनेस कार्यक्रम'' के अधीन रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य जॉच किए गए।

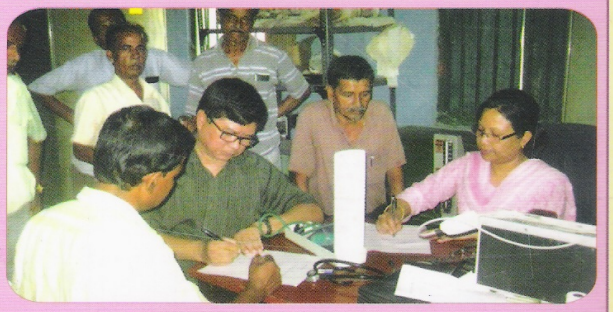

रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य जॉच करते हुए डॉ. बी. आर. डेका, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक तथा डॉ. एस. दैमारी, अ.मु.चि.अधी., लामडिंग

चापरमुख-सिलघाट टाउन पैसेंजर सटल सेवा

5 अप्रैल 2012 से चापरमुख-सिलघाट टाउन के बीच 55817 अप/55818 डाउन चापरमुख-सिलघाट टाउन पैसेंजर सटल की सेवा का शुभारंभ किया गया। सेक्शन में इससे यात्री यातायात को बढ़ावा मिला है।

ममित, मिजोरम में गैर रेल हेड यात्री आरक्षण प्रणाली

20 अप्रैल 2012 को मिजोरम विधान सभा के उपाध्यक्ष द्वारा मिजोरम राज्य के ममित में गैर रेल हेड यात्री आरक्षण प्रणाली का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही मिजोरम राज्य के सभी प्रस्तावित छः स्थलों पर गैर रेल हेड यात्री आरक्षण प्रणाली स्थापित करने का कार्य पूरा कर लिया गया।

संरक्षक
राकेश गोयल
मंडल रेल प्रबंधक

मुख्य संपादक
सतीश कोठारी
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी

संपादन एवं सहयोग
एस. पी. यादव
वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय

आर. के. कोईरी
राजभाषा अधिकारी